

असाधारग EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (1) PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 197

मई बिल्ली, मंगलवार, जून 29, 1982/ग्राबाइ 8, 1904

No. 197]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 29, 1982/ASADHA 8, 1904

इस भाग में भिन्न पट्ट संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सर्क Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स्वास्थ्य ग्रीर परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसृचनः

नर्द दिल्ली. २५ जून, 1982

साक्षां कि 176(अ). -- खाद्य अपिमश्रण नियारण नियम, 1955 का श्रीर सणाधन करने के लिए किन्यय प्राच्य नियमों खाद्य अपिमश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 37) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपिन्न भारत गरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मलालय (स्वास्थ्य जिसमा) की अधिमूचना संग् सांक्षा विवार कल्याण मलालय (स्वास्थ्य जिसमा) की अधिमूचना संग सांक्षा विवार कल्याण मलालय (स्वास्थ्य जिसमा) की अधिमूचना संग सांक्षा विवार कल्याण मलालय (स्वास्थ्य जिसमा) की अधिमूचना संग सांक्षा 3 अगस्त, 1981 के पृष्ठ 1449-1450 पर प्रकाणित किया गता था जिसमें उस राजपल की प्रतिया, जिसमें उक्त श्राधमुचना प्रकाणित हुई थी, जनसा को उपलब्ध करा देने की तारीख से नव्ये दिन की समाध्य के पूर्व जन सभी व्यक्तियों से आक्षेप और सुक्षाव मागे गए थे जिनके उससे प्रभावित होने की संभावता थी;

भीर उपन राजपन की प्रतिया उपगस्त, 1981 को जनता को उपलब्ध थी:

भीर केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारंप नियमों की बाबत प्राप्त श्राक्षेपों भीर मुझावा पर विकार कर लिया है ;

श्रतः केन्द्रीय नग्नार, उक्त प्रिवियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामक्षं करने के पश्चात खाद्य प्राप्तिथण नियारण नियस, 1955 का और सभोधन करने के लिए निस्तिषिक्षत नियम बनाती है, श्रयति —

नियम

- 1. (1) इन नियमों का सक्षिप्त नाम खाद्य श्रपमिश्रण निवारण (पांचवां संबोधन) नियम, 1982 है।
 - (2) ये राजपल में प्रकाशन की नार्शक को प्रवृत्त होंगे।
- 2. खाच अपिमधण निकारण नियम, 1955 के नियम 44 के प्रथम परन्तुक के पश्चात निम्नितिखित और परन्तुक जोड़ा जाएगा, श्रयांत:—
 "परन्तु यह श्रीर कि खंड (म) से सबंधित उन साम्पतिक खाच यस्पुश्रों को, जिनके नेबल नियम 37 क के उपबन्धों के श्रधीन भनुमीवत किए जाते है, इस नियम के प्रवर्तन से छट दी जाएगी।"

[सं० पी० 15014/9/81-पी एच (एफ एण्ड एन) पी ए एफ] श्रार०के० सिंघल, संयुक्त सर्चिक

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Dehi, the 29th June, 1982

G.S.R. 476(E).—Whereas certain drast rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published as required by Subsection (1) of Section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act 1954 (37 of 1954) with the notification of the Government of India in the Ministry

of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 469(E) dated 3rd August, 1981 at pages 1449 to 1450 of the Gazette of India (Extraordinary) Part II, Section 3, Sub-Section (i) dated the 3rd August, 1981 for inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of ninety days from the date on which the copies of the official Gazette in which the said notification was published were made available to the public ;

And whereas the copies of the said Gazette were available to the public on 3rd August 1981;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 23 of the said Act, the Central Government after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely:--

RULES

- 1. (1) These Rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Fifth Amendment) Rules, 1982.
- (2) They shall come into force on the their publication in the Official Gazette.
- 2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, in rule 44, after the first proviso, the following further proviso shall be added, namely :---
 - "Provided that proprietory food articles relating to clause (i), the labels of which are approved under the provisions of rule 37-A, shall be exempted from the operation of this rule."

[No. P. 15014/9/81-PH(F&N) PFA] R. K. SINGHAL, Jt. Secy.